



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से ब्राह्मणित

PUBLISHED BY AUTHORITY

लॉ ३०६] नई दिल्ली, मंगलबार, अगस्त १२, १९७५/श्रावण २१, १८९७

No. 306] NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 12, 1975/SRAVANA 21, 1897

इस भाग में भिन्न तृष्ण संख्या की जाती है ताकि वह अलग संख्याएँ के सब में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

कोर्डोंय प्रत्यक्ष कर द्वाइ

शुद्धि-प्र

नयी दिल्ली, १२ अगस्त, १९७५

का० आ० ४३० (अ).—भारत के राजपत्र, प्रसाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक ८ अक्टूबर, १९७४ के पृष्ठ २०३० से २०३२ तक प्रकाशित भारत सरकार के विस मंत्रालय (राजस्व और वीमा विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० ५९९(अ) में कुप्राया निम्नलिखित मंशोधन कर लिए जायें :—

- पृष्ठ २०३० पर नीचे में पांचवीं पंक्ति में “मियमो” के स्थान पर “नियमो” पढ़ा जाए।
- पृष्ठ २०३१ पर ऊपर में नीवीं पंक्ति में “मेवा, निवृत्त” के स्थान पर “मेवा-निवृत्त” पढ़ा जाए।
- पृष्ठ २०३१ पर ऊपर में दसवीं पंक्ति में “हो” के पश्चात् उद्धरण चिह्न “” का कर पढ़ा जाए।

4. इसी पृष्ठ पर नीचे से ग्यारहवीं पंक्ति में “रवंय” के स्थान पर “स्वयं” पढ़ा जाए।
5. इसी पृष्ठ पर नीचे से छठी पंक्ति में ‘मूल्यांकन’ के स्थान पर ‘मूल्यांकक’ पढ़ा जाए।
6. पृष्ठ 2032 पर दूसरी पंक्ति से उसीं पंक्ति तक “प्रस्तुपण” के स्थान पर “प्रस्तुपण” पढ़ा जाए।
7. इसी पृष्ठ पर नीचे से तीसरी पंक्ति में “743” के स्थान पर “736” पढ़ा जाए।

[सं० 1028/फा० सं० 143(5)/74-टी० पी० एल०]

ओ० पी० भारद्वाज,  
सचिव, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड।